

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	माघ 28, गुरुवार, शाके 1943-फरवरी 17, 2022 <i>Magha 28, Thursday, Saka 1943- February 17, 2022</i>	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आजायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, जुलाई 23, 2019**

**संख्या प.2 (15) वन/2019 :-** चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वनभूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व हैं अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वनउपज उसके किसी अंश को स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वनभूमि तथा बंजरभूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 की धारा 29 उपधारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजरभूमि में अथवा उन पर सरकार अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट, संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर/असिस्टेन्ट फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर की पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजरभूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11(1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रावहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वनभूमि और बंजरभूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों का हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना

अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा मकान निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वनभूमि और बंजरभूमि)द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,  
शासन सचिव  
वन विभाग,  
शासन सचिवालय, जयपुर।

### प्रथम अनुसूची

क्र. स.	नाम वनखण्ड/ नाम चक	नाम तहसील	नाम जिला	वन खण्ड का क्षेत्रफल	वन खण्ड के क्षेत्रफल का विवरण			सीमा	वि वि
					नाम ग्राम/ चक	ख न./ मु.न. मय किला नम्बर	रकबा (बीघा में)		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	नर्सरी चक 5 सी.डब्ल्यू.बी.	उपनिवेशन तहसील, कोलायत नम्बर 3, बज्जू	बीकानेर	46.00 बीघा 11.634 हैक्टर	नर्सरी चक 5 सी.डब्ल्यू.बी.	66/56 (3 ता 24) 67/49 (2 ता 25)	22.00 बीघा 24.00 बीघा	पू-आबादी प-काश्तकार उ-काश्तकार द-काश्तकार	
योग							46.00 बीघा 11.634 हैक्टर		

उप वन संरक्षक

इन्दिरा गांधी नहर परियोजना

स्टेज-II, खण्ड-II, बीकानेर

द्वितीय अनुसूची  
आरक्षित वृक्ष

S.No.	Botanical Name	Hindi Name
1	<i>Azadirachta indica</i> , A.juss	नीम
2	<i>Acacia arubica</i> Willd	बबूल
3	<i>Acacia jaquemontii</i>	बोली
4	<i>Acacia senegal</i>	कुमठा
5	<i>Aerua tomentosa</i>	बुई
6	<i>Albizia lebbek</i> , Benth	काला सिरस
7	<i>Albizia procera</i> , Benth	सफेद सिरस
8	<i>Bauhinia purpurea</i> , Linn	कचनार
9	<i>Bauhinia variegata</i> , Linn	कचनार
10	<i>Bombax ceiba</i> (Roxb) Malabar Cum, P.C	सेमल (सालामानिया श्रेटिका)
11	<i>Cordia myxa</i> , Linn	लसौड़ा
12	<i>Cordia rostrata</i>	गूंदी
13	<i>Calligonum polygonoides</i>	फोग
14	<i>Calotropis procera</i> R.Sr.	आक
15	<i>Cassia auriculata</i>	आवंला
16	<i>Cassia fistula</i> , Linn	अमलतास
17	<i>Capparis decidua</i>	केर
18	<i>Cenchrus ciliaris</i>	धामण घास
19	<i>Dalbergia sissoo</i> , Roxb	शीशम
20	<i>Dendrocalamus strictus</i> , Ness	पतला बांस
21	<i>Encalyptus</i> spp	सफेदा
22	<i>Eugenia jambolana</i> , Linn	जामुन
23	<i>Ficus religiosa</i> , Linn	पीपल
24	<i>Ficus bengalensis</i> Linn	बड
25	<i>Holoptelea integrifolia</i> Planch	बुरेल, कंजु, काज

26	Lasiuresssindieus	सेवन घास
27	LeptadeniamReticulatam Wight &Ar	खीप
28	Meliaazedarach, Linn	बकायन
29	Morus alba, Linn	शहतूत
30	Magiferaindica, Linn	आम
31	Parkinsoniaaculata	पार्किंग सोनिया
32	Ricinuscommunis	अरण्ड
33	Prosopisspiicigera	खेजडा
34	prosopisjuliflora	विलायती खेजडा
35	phoenixsylvetis, Trip	खजूर
36	phyllanthusemblica, Linn	आवंला
37	Salvadoraoligoides	पीलू
38	Salvadorapersica	जाल
39	Saccharummunja	मूँजा घास
40	Acacia Tortalis	इजराईल बबूल
41	Tecomellaundulata	रोहेडा
42	TamarixDoicaPoxb	फरास
43	Zizyphusjujuba Lam	बर
44	zizyphusxylopyrawildd	धोट
45	Zizyphusnummularia	भड शेर
46	Haloxylensalvecornicum	लाणा

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
बीकमपुर  
स्टेज-॥, बीकानेर

उप वन संरक्षक  
इं.गां.न.प., स्टेज-॥  
बीकानेर

प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षकद्वारा प्रमाण - पत्र  
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दें)

नाम वन खण्ड/चक :- नर्सरी चक 5 सी.डब्ल्यू.बी.

रेन्ज :- इकाई पंचम, गोडू

नाम वन मण्डल :- उप वन संरक्षक, खण्ड-II, बीकानेर ।

- 1 संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण गैर कृषि पायती है। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 7 में विस्तृत से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
- 2 वर्तमान में उपनिवेशन लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा क्षेत्र में ब्लॉक वृक्षारोपन का कार्य करवाया गया है इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
- 3 वर्तमान में क्षेत्र में ब्लॉक वृक्षारोपन का कार्य 1995-96 में करवाया गया है इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए है ।
- 4 भूमि पर वृक्षों का घनत्व लगभग 45 प्रतिशत है इस वन खण्ड में प्रमुख प्रजातियाँ बैर, खेजड़ी, टोर्टलिस का लगभग 45 प्रतिशत है।
- 5 समीपवर्ती स्थित क्षेत्र में काश्तकारों की भूमि है चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख कॉलम संख्या 9 में कर दिया गया है।
- 6 वनखण्डों में वाच्छित मानचित्र (नक्शों) संलग्न है एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है प्रस्तावित वन क्षेत्रों में सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है ।
- 7 प्रस्तावित क्षेत्रों में विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधी पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
- 8 उक्त भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

हस्ताक्षर

क्षेत्रीय वन अधिकारी

बीकमपुर

स्टेज-II, बीकानेर

हस्ताक्षर

उप वन संरक्षक

इं.गां.न.प., स्टेज-II

बीकानेर

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।